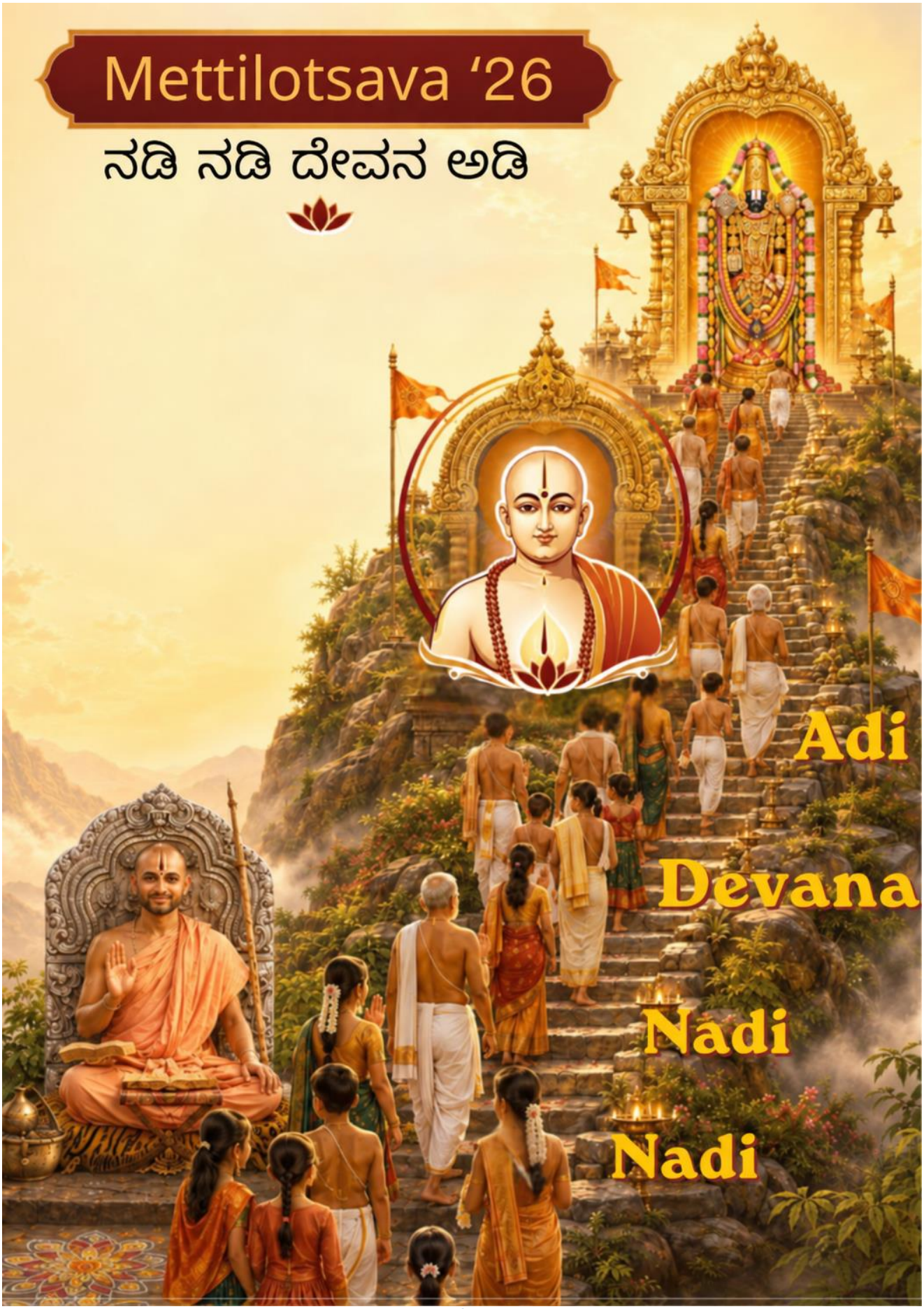

Mettilotsava '26
ನಡಿ ನಡಿ ದೇವನ ಅಡಿ
Adi
Devana
Nadi
Nadi

भावप्रकाशिका मॆट्टिलोत्सव २०२६ हाडुगळु

1. हरिकथामृतसार गुरुगळ 4
2. जयगळु आगलि अपजयगळु पोगलि 6
3. गुरु मध्व रायरिगॆ नमो नमो नम्म 7
4. सतत गणनाथ सिद्धिय नीव कार्यदलि 8
5. सत्य जगकिदु पंच भेदवु नित्य श्रीगोविंदन 9
6. मॊदलॊंदिपॆ निनगॆ गणनाथ 10
7. नमः पार्वती पति नुतजनपर नमो विरूपाक्ष 11
8. पवमान पवमान जगद प्राण संकरुषण भवभयारण्य दहन 12
9. वीर हनुम बहु पराक्रम 13
10. जय कॊल्हापुर निलयॆ भजधिष्टॆतरविलये 14
11. हॊसगण्णु ऎनगॆ हच्चलिबेकु जगदंबा 15
12. वॆंकटरमणनॆ बारो शेषाचलवासनॆ बारो 16
13. वारिजलयपतॆ वारिजनाभनॆ वारिजभवपित वारिजनेत्रनॆ 17
14. बंदानो गोविंद चंददि आनंद 18
15. श्रीनिवास नीने पालिसो श्रितजन पाल 19
16. नारायण गोविंद - नरहरि 20
17. बिडॆनो निन्नंघ्रि श्रीनिवास ऎन्न दुडिसिकॊळ्ळलो श्रीनिवास 22
18. श्रीनिवासा गोविंदा श्री वॆंकटेशा गोविंदा 23
19. जै जै राम हरे जै जै कृष्ण हरे 28
20. नंदेनदो स्वामि निंदे इदॆल्लवू 30
21. सिंहरूपनाद श्री हरि हे नामगिरीशने 31
22. स्त्रीयरॆल्लरु बन्निरॆ । श्रीनिवासन पाडिरे 32
23. श्रीवॆंकटॆश स्तवराज 36
24. निन्न ऒलुमॆयिंद निखिळ जनरु बंदु मन्निसुवरो महराय 39
25. निन्न दरुशनकॆ बंदवनल्लवो 40
26. दासोहं तव दासोहं तव 41

27.	*दासनागु विशेषनागु*	*42*
28.	*कुरु भुंक्ष्व च कर्म निजं नियतं हरिपाद विनम्र धिया सततम्*	*43*
29.	*वंदिताशेष वंद्योरु वृंदारकं*	*44*
30.	*अवन श्रीपति रप्रति रधि केशादि भवादे*	*47*
31.	*आनंद मुकुंद अरविंद नयन*	*49*
32.	*श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारि हे नाथ् नारायण वासुदेव*	*50*
33.	*प्रातः गद्य (पुरंदर दासरु)*	*52*

1. हरिकथामृतसार गुरुगळ

हरिकथामृतसार गुरुगळ
करुणदिंदापनितु पेळुवॆ
परम भगवद्भक्तरिदनादरदि केळुवुदु||

श्रीरमणिकरकमल पूजित चारुचरण सरोजब्रह्म,
समीरवाणि फणींद्रवींद्र भवेंद्र मुखविनुत
नीरजभवांडोदय स्थिति कारणनॆ कैवल्यदायक,
नारसिंहनॆ नमिपॆ करुणिपुदॆमगॆमंगळव ||1||

जगदुदरनतिविमल गुणरूपगळनालोचनदि भारत
निगमततिगळतिक्रमिसि क्रिया विशेषगळ
बगॆबगॆय नूतनव काणुत मिगॆ हरुषदिंपॊगळि
हिग्गुव त्रिगुणमानि महालकुमि संतैसलनुदिनवु ||2||

निरुपमानंदात्म भव निर्जर सभासंसेव्य
ऋजुगण-दरसॊ सत्वप्रचुर वाणीमुखसरोजेन
गरुड शेष शशांकदळ शेखरर जनक जगद्गुरुवे
त्वच्चरणगळिगॆ अभिवंदिसुवॆ पालिपुदु सन्मतिय||3||

आरुमूरॆरॆडॊ०दु साविर मूरॆरॆडु शतश्वास जपगळ
मूरु विध जीवरॊळगब्जज कल्प परियंत
ता रचिसि सात्वरिगॆ सुख संसार मिश्ररिगॆ अधमजनरिग-
अपार दुःखगळ ईव गुरु पवमान सलहॆम्म||4||

चतुरवदनन राणि अतिरोहित विमल विज्ञानि
निगम प्रततिगळिगभिमानि वीणापाणि ब्रह्माणि
नतिसि बेडुवॆ जननि लक्ष्मीपतिय गुणगळ तुतिपुदकॆ
सन्मतिय पालिसि नॆलॆसु नी मद्वदन सदनदलि||5||

कृतिरमण प्रद्युम्ननंदनॆ चतुरविंशति तत्वपति
देवतॆगळिगॆ गुरुवॆनिसुतिह मारुतन निजपत्नि
सतत हरियलि गुरुगळलि सद्भतिय पालिसि
भागवत भारत पुराण रहस्य तत्वगळ अरुपु करुणदलि ||6||

वेदपीठ विरिंचि भव शक्रादिसुर विज्ञानदायक

मोद चिन्मय गात्र लोकपवित्र सुचरित्र
छेद भेद विषाद कुटिलांतादि मध्य विदूर
साद अनादि कारण बादरायण पाहि सत्राण||7||

क्षितियॊळगॆ मणिमंत मॊदलाद अति दुरात्मरु
ऒंदधिक विंशति कुभाष्यव रचिसॆ
नडुमनॆयॆंब ब्राह्मणन सतिय जठरदॊळु अवतरिसि भारतीरमण
मध्वाभिदानदि चतुरदश लोकदलि मॆरॆद अप्रतिमगॊंदिसुवॆ ||8||

पंचभेदात्मक प्रपंचकॆ पंचरूपात्मकनॆ दैवक
पंचमुख शक्रादिगळु किंकररु श्रीहरिगॆ
पंचविंशति तत्व तरतम पंचिकॆगळनु पेळद
भावी विरिंचियॆनिप आनंदतीर्थर नॆनॆवॆननुदिनवु ||9||

वामदेव विरिंचितनय उमामनोहर उग्र धूर्जटि
सामजाजिन वसनभूषण सुमनसोत्तंस

कामहर कैलास मंदिर सोमसूर्यानल विलोचन
कामितप्रद करुणिसॊमगॆ सदा सुमंगलव ||10||

कृत्तिवासनॆ हिंदॆ नी नाल्वत्तु कल्पसमीरनलि शिष्यत्ववहिसि
अखिळ आगमार्थगळोदि जलधियॊळु
हत्तु कल्पदि तपवगैदादित्यरॊळगुत्तमनॆनिसि
पुरुषोत्तमन परियंक पदवैदिदॆयो महदेव||11||

पाकशासन मुख्य सकल दिवौकसरिगॆ अभिनमिपॆ
ऋषिगळिगेकचित्तदि पितृगळिगॆ गंधर्व क्षितिपरिगॆ
आ कमलनाभदि यतिगळ नीककानमिसुवॆनु बिडदॆ
रमाकळत्रन दासवर्गकॆ नमिपॆननवरत||12||

परिमळवु सुमनदॊळगनलनु अरणियॊळगिप्पंतॆ
दामोदरनु ब्रह्मादिगळ मनदलि तोरितोरदलॆ
इरुतिह जगन्नाथ विठलन करुण पडॆव मुमुक्षुजीवरु
परम भागवतरनु कॊंडाडुवुदु प्रतिदिनवु||13||

2. जयगळु आगलि अपजयगळु पोगलि

जयगळु आगलि अपजयगळु पोगलि
जयदेवि रमण ऒलियलि कोलॆ
जयदेवि रमण ऒलियलि नम्म
विजयरायर कीर्ति मॆरॆयलि कॊलॆ||

हरिये सर्वोत्तम हरिये परदेवतॆ
हरिदासरॆंबो बिरुदिन कोलॆ
हरिदासरॆंबो बिरुदिन हॆग्गाळॆ
हिरिबागिलॊळु नुडिसेवु कोलॆ||

पन्नंग शयन सुपर्ण वाहन
सुपर्ण वाहन सुखपुर्ण कोलॆ
सुपर्ण वाहन सुखपूर्णनाद
मोहन्न विठ्ठल करुणिसु कोलॆ ||

कोलु कोलॆ रंग कोलु कोलॆ
कोलु कोलॆ कृष्णा कोलु कोलॆ ||

3. गुरु मध्व रायरिगॆ नमो नमो नम्म

गुरु मध्व रायरिगॆ नमो नमो नम्म
गुरु मध्व संततिगॆ नमो नमो

श्रीपादराजरिगॆ गुरु व्यासराजरिगॆ
गुरु वादिराजरिगॆ नमो नमो

राघवेंद्र रायरिगॆ वैकुंठ दासरिगॆ
पुरंदर दासरिगॆ नमो नमो

गुरु विजय दासरिगॆ भागण्ण दासरिगॆ
श्री रंग ऒलिद दासरिगॆ नमो नमो

परम वैराग्यशालि तिम्मण्ण दासरिगॆ
हुंडेकार दासरिगॆ नमो नमो

गुरु श्रीश विठलन परम भक्तर चरण
सरसिज युगगळिगॆ नमो नमो

4. सतत गणनाथ सिद्धिय नीव कार्यदलि

सतत गणनाथ सिद्धिय नीव कार्यदलि
मति प्रेरिसुवळु पार्वति देवि ॥प ||

मुकुति पथकॆ मनवीव महरुद्र देवरु
भकुति दायकळु श्री भारतिदेवि ॥१॥

युकुति शास्त्रगळल्लि वनजसंभवनरसि
सत्कर्मगळ नडॆसि सुज्ञान मति इत्तु
पालिसुव नम्म पवमाननु ॥२॥

चित्तदल्लि आनंद सुखव नीवळु रमा
भक्त जनरॊडॆय नम्म पुरंदर विठल
सतत इवरलि निंतु ई कृतिय नडॆसुवनु ॥३॥

5. सत्य जगकिदु पंच भेदवु नित्य श्रीगोविंदन

सत्य जगकिदु पंच भेदवु नित्य श्रीगोविंदन |
कृत्य वरितु तारतम्यदि कृष्णनधिकॆंदु सारिरै || प ||

जीव ईशगॆ भेद सर्वत्र जीवजीवकॆ भेदवु |
जीव-जड जड-जडकॆ भेद जीव जड परमात्मगॆ || १ ||

मानुषोत्तमगधिप क्षितिपरु मनुज देव-गंधर्वरु |
ज्ञानि-पित्राजान कर्मज दानवारि तत्वात्मरु || २ ||

गणपमित्ररु सप्तऋषिगळु वह्निनारद वरुणनु |
इनजगॆ सम चंद्रसूर्यरु मनुसुतॆयु हॆच्चु प्रवहनु || ३ ||

दक्षसम अनिरुद्ध गुरु शचि रति स्वायंभुवरार्वरु |
दक्षप्राणगिंदधिक कामनु किंचिदधकनु इंद्रनु || ४ ||

देव इंद्रगॆ अधिक महरुद्र देव सम शेषगरुडरु |
केवलधिकरु गरुड शेषगॆ देवि भारति सरस्वति || ५ ||

वायुविगॆ समरिल्ल जगदॊळु वायु देवरॆ ब्रह्मरु |
नम्म वायु ब्रह्मगॆ कोटिगुणदिंदधिक शक्तळु श्रीरमा || ६ ||

अनंतगुणदिंद लकुमिगधिकनु सिरि पुरंदर विठ्ठलनु |
नम्म घनसमरु इवगिल्ल जगदॊळु हनुमद्दृत्-पद्मवासिगॆ || ७ ||

6. मोदलोंदिपॆ निनगॆ गणनाथ

मोदलोंदिपॆ निनगॆ गणनाथ
बंद विघ्न कळॆयो गणनाथा||प||

आदियल्लि धर्मराय पूजिसि निन्नय पाद
साधिसिद राज्य गणनाथा ||1||

अंदु रावणनु मददिंद निन्न पूजिसदॆ
संद रणदलि गणनाथा ||2||

मंगळ मूरुति गुरु रंग विठलन पाद
हिंगदॆ पालिसो गणनाथा ||3||

7. नमः पार्वती पति नुतजनपर नमो विरूपाक्ष

नमः पार्वती पति नुतजनपर नमो विरूपाक्ष
रमारमणनलि अमल भकुति कॊडु नमो विशालाक्ष ||प||

नीलकंठ त्रिशूल डमरु हस्तालंकृतरक्ष
फालनेत्र कपाल रुंडमणि माला धृत वक्ष
शीलरम्य विशाल सुगुण सल्लील सुराध्यक्ष
श्रीलकुमीशन ओलैसुव भक्तावळिगळ पक्ष ||1||

वासवनुत हरिदास ईश कैलास वास देव
दाशरथिय औपासक सुजनर पोषिप प्रभाव
भासिसुतिहुदु अशेष जीवरिगॆ ईशनेंब भाव
श्रीशनल्लि कीलिसु मनव गिरिजेश महादेव ||2||

मृत्युंजय निन्नुत्तम पदयुग भृत्यनो सर्वत्र
हत्तिर करेदु अपत्यनंतॆ पॊरेयुत्तिरो त्रिनेत्र
तॆत्तिगनंतॆ कायुत्तिहॆ बाणन सत्यदि सुचरित्र
कर्तृ उडुपि सर्वोत्तम कृष्णन पौत्र कृपा पात्र ||3||

8. पवमान पवमान जगद प्राण संकरुषण भवभयारण्य दहन

पवमान पवमान जगद प्राण संकरुषण भवभयारण्य दहन |प|

श्रवणवॆ मॊदलाद नवविध भकुतिय तवकदिंदलि कॊडु कविजन प्रिय |अ।प|

हेम कच्चुट उपवीत धरिप मारुत कामादि वर्ग रहित
व्योमादि सर्वव्यापुत सतत निर्भीत रामचंद्रन निजदूत
याम यामकॆ निन्नाराधिपुदकॆ कामिपॆ ऎनगिदु नेमिसि प्रतिदिन
ई मनसिगॆ सुखस्तोमव तोरुत पामर मतियनु नी माणिपुदु || 1 ||

वज्र शरीर गंभीर मुकुटधर दुर्जनवन कुठार
निर्जर मणिदया पार वार उदार सज्जनरघव परिहार
अर्जुनगॊलिदंदु ध्वजवानिसि निंदु मूर्जगवरिवंतॆ गर्जनॆ माडिदि
हॆज्जॆ हॆज्जॆगॆ निन्न अब्ज पादद धूळि मार्जनदलि भव वर्जितनॆनिसॊ || 2 ||

प्राण अपान व्यानोदान समान आनंद भारति रमण
नीनॆ शर्वादि गीर्वाणाद्यमररिगॆ ज्ञानधन पालिप वरेण्य
नानु निरुतदलि एनेनॆसगिदॆ मानसादि कर्म निनगॊप्पिसिदॆनॊ
प्राणनाथ सिरिविजयविठलन काणिसि कॊडुवदु भानु प्रकाश || 3 ||

9. वीर हनुम बहु पराक्रम

वीर हनुम बहु पराक्रम ||प||

सुज्ञानवित्तु पालिसॆन्न जीवरोत्तम ||अ।प||

राम दूतनॆनिसि कोंडॆ नी, राक्षसर वनवनॆल्ल कित्तु बंदे नी
जानकिगॆ मुद्रेयित्तु जगतिगॆल्ल हर्षवित्तु
चूडामणिय रामगित्तु लोकके मुद्दॆनिसि मॆरेव || 1 ||

गोपिसुतन पाद पूजिसि , गदॆय धरिसि बकासुरन संहरिसिदॆ
द्रौपदिय मॊरेय केळि मत्ते कीचकन्न कोंदु
भीमनेंब नाम धरिसि संग्राम धीरनागि जगदि || 2 ||

मध्यगेहनल्लि जनिसि नी बाल्यदल्लि मस्करीय रूपगोंडॆ नी
सत्यवतिय सुतन भजिसि सम्मुखदि भाष्य माडि
सज्जनर पॊरेव मुद्दु पुरंदरविठ्ठलनन दास || 3 ||

10. जय कॊल्हापुर निलयॆ भजधिष्टेतरविलये

जय कॊल्हापुर निलयॆ भजधिष्टेतरविलये
तवपादौ हृदिकलयॆ रत्न रचित वलयॆ || P ||

जय जय सागरजातॆ कुरु करुणामयिभीतॆ
जगदंबाभिदयाते जीवति तवपोतॆ || 1 ||

जय जय सागरसदने | जय कांत्याजित मदने
जय दुष्टांतक कदने कुंदमुकुलरदने || 2 ||

सुररमणि नुतचरणे सुमनः संकटहरणे
सुस्वर रंजितवीणॆ सुंदर निजकिरणे || 3 ||

भजदिंदीवर सोमे भव मुख्यामरकामे
भय मूलाळिविरामे भंजित मुनिभीमे || 4 ||

कुंकुम रंजितफाले कुंजर बांधवलोलॆ
कलधौतौमलचैलॆ कृंतकुजनजालॆ || 5 ||

धृत करुणारसपूरे धनदानॊत्सव धीरे
ध्वनिलवनिंदितकीरॆ धीरेदनुजधारे || 6 ||

सुर हृत्पंजरकीरे सुमगेहार्पित हारे
सुंदर कुंजविहारे सुर परिवारे || 7 ||

वर कबरी धृत कुसुमॆ वरकनकाधिकसुषुमॆ
वन निलया दयभीमे वदन विजित सोमे || 8 ||

मदकल भालसगमने मधु मथनालस नयने
मृदुलोलालक रचने | मधुर सरसगाने || 9 ||

व्याघ्रपुरीवरनिलये व्यासपदार्पितहृदये
कुरुकरुणामहिसदये | विविधनिगमगेये || 10 ||

11. होसगण्णु ऎनगॆ हच्चलिबेकु जगदंबा

होसकण्णु ऎनगॆ हच्चलिबेकु जगदंबा |
वसुदेव सुतन कांबुदकॆ || प ||

घसणॆयागिदॆ भव विषय वारिधियॊळु |
शशिमुखि करुणदि काये || अ।प ||

परर अन्नवनुंडु परर धनव कंडु
परि परि क्लेशगळुंडु
वरमहालकुमि निन्न चरणक्कॆ मॊरेहॊक्कॆ
करुणदि कण्णॆत्ति नोडॆ || १ ||

मंदहासिनि भवसिंधुविनॊळगिट्टु
चंदवे ऎन्न नोडुवुदु
कंदनंतॆंदॆन्न कुंदुगळॆणिसदॆ
मंदरोद्धरन तोरम्म || २ ||

अंदचंदगळॊल्लॆ बंधुबळगवनॊल्लॆ |
बंधनक्कॆल्ल कारणवु |
इंदिरेशन पादद्वंद्वव तोरि
हृन्मंदिरदॊळु बंदु निल्लॆ || ३ ||

12. वेंकटरमणनॆ बारो शेषाचलवासनॆ बारो

वेंकटरमणनॆ बारो शेषाचलवासनॆ बारो ||प||

पंकजनाभ परम पवित्र शंकर मित्रनॆ बारो ||अ।प||

मुद्दु मुखद मगुवॆ निनगॆ मुद्दु कॊडुवॆनु बारो
निर्दयवेको निन्नॊळगॆ नानु पॊंदिद्देनु बारो ||१||

मंदर गिरियनॆत्तिद आनंद मूरुतिये बारो
नंदन कंद गोविंद मुकुंद इंदिरॆयरसनॆ बारो ||२||

कामनय्य करुणाळु श्यामल वर्णनॆ बारो
कोमलांग श्रीपुरंदर विठलनॆ स्वामिरायनॆ बारो ||३||

13. वारिजलयपते वारिजनाभने वारिजभवपित वारिजनेत्रने

वारिजलयपते वारिजनाभने वारिजभवपित वारिजनेत्रने
वारिजमित्र अपार प्रभावने वारिजजांडद कारण दॊरेये
बारय्य बा बा भकुतर प्रिय श्रीनिवास राय ||प||

मार जनक मुकुतरॊडेय देवय्य जीय ||अ-प||

स्यंदनवेरि बाप्प रंग देवोत्तुंग
नंद नंदन अरिमदभंग करुणापांग
सिंधुशयन सुंदरांग हे नारसिंग
कंद विरिंचियु नंदिवाहन अमरेंद्र
सनक सनंदनादि मुनिवृंद
निंदु बंदु धिं धिं धिमिकेंदु
निंदाडलु आनंददि मनके ||१||

जगत् जन्मादि कर्त गोविंद
उदरदि लोक लघुवागि धरिसिद मुकुंद
भकुतर मनके झग झगिसुत पॊळेवानंद निगमावळियिंद
अगणित मुनिगण नग खग मृग शशि
गगनमण्याद्यरु सॊगसागि बगॆ बगॆ
पॊगळुतलि बेग जिगिजिगिदाडलु
मुगुळुनगेय महा उरग गिरिवास ||२||

तडमाड ब्याडवॊ हे नल्ल
वाकु लालिसु ऎन्नॊडेय गोपाल विठ्ठल
देव पराकु अडि गळनिडु भक्तवत्सल श्री लकुमिनल्ल
मडुविनॊळगॆ गज मॊरेयिडलाक्षण
मडदिगू हेळदे दुडदुडने बंदु
हिडिदु नक्रन बाय् कडिदु बिडिसिदने
सडगरदलि रमेपॊडवियॊडगूडि बेग ||३||

14. बंदानो गोविंद चंददि आनंद

बंदानो गोविंद चंददि आनंद
सुंदरिय मंदिरक्कॆ नंदन कंद ॥ पल्लवि ॥

काननादल्लि बलु दीननादल्लि
वेणुनादवू ता कूडि मोददि
जाणनिवनू सुम बाण पितनु
मानिनिय मंदिरदि गान माडुता ॥1॥

ओडि बंदरो बलु बेडिकॊंडरो
गारुडिकारनू अवर कूडि मॆरेदनू
माडिद जाल वासुदेव विठल
माडिद मन माडिद ता कूडिदनाग ॥2॥

15. श्रीनिवास नीने पालिसो श्रितजन पाल

श्रीनिवास नीने पालिसो श्रितजन पाल
गानलोल श्री मुकुंदने || प ||

ध्यानमाळप सज्जनर मानदिं परिपालिप
वेणुगोपाला मुकुंद वेदवेद्य नित्यानंद ||अप||

ऎंदिगॆ निन्न पादाब्जव पॊंदुव सुख
ऎंदिगॆ लभ्यवो माधव
अंधकारण्यदल्लि निंदु तत्तरिसुतिहॆनॊ
बंदु बंदु ई भवदि बेंदु नॊंदेनॊ मुकुंद||1||

ऎष्टु दिन कष्ट पडुवुदॊ
यशोदे कंद दृष्टियिंद नोडलागदे
मुट्टि निन्न भजिसलारॆ केट्ट नरजन्मदॊळु
दुष्ट कार्य माडिदाग्यु इष्टनागि कैयपिडिदु ||2||

अनुदिन अनेक रोगंगळ अनुभविसिदॆनो
घन्न महिम नीने केळय्य
तनुविनलि बलविल्ल नॆनॆद मात्रदि सलहुव
हनुमदीश पुरंदरविट्ठलनॆ कैय पिडिदु ||3||

16. नारायण गोविंद - नरहरि

नारायण गोविंद - नरहरि
नारायण गोविंद ||प||

नारायण गोविंद मुकुंद
परतर परमानंद ||अ।प||

मॊदलु मत्स्यनागि उदिसि सोमननु
सदॆदु वेदगळ तंद ||1||

मंदरगिरियलि सिंधुमथिसि सुधॆ
तंदु भक्तरिगुणलॆंद ||2||

भूमिय कदिदा खळननु मर्दिसि
आ महासतियळ तंद ||3||

दुरुळ हिरण्यन करुळुबगॊदु तन्न
कॊरळॊळगिट्टानंददिंद ||4||

पुट्टनागि दानकॊट्ट बलिय तलॆ
मॆट्टि तुळिद बगॆयिंद ||5||

धात्रियॊळगॆ मुनिपुत्रनागि बंदु
क्षत्रियरॆल्लर कॊंद ||6||

मडदिगागि ता कडलनॆ कट्टि
हिडिदु रावणन कॊंद ||7||

गोकुलदॊळु हुट्टि आकळ काय्द
श्रीकृष्णनु ता बंद ||8||

छलदलि त्रिपुरर सतियर व्रतद
फलवनळिद बगॆयिंद ||9||

धरॆयॊळु परम नीचर सवरलु कु -
दुरॆयनेरिद कलि चॆंद ||10||

दोषदूर श्री पुरंदर विठल
पोषिप भक्तर वृंद ||11||

17. बिडॆनो निन्नंघ्रि श्रीनिवास ऎन्न दुडिसिकॊळ्ळलो श्रीनिवास

बिडॆनो निन्नंघ्रि श्रीनिवास ऎन्न दुडिसिकॊळ्ळलो श्रीनिवास
निन्न नुडियेजितल्लो श्रीनिवास नन्न नडॆ तप्पु कायो श्रीनिवास ||1||

बडियो बॆन्नल्लि श्रीनिवास ऎन्न ऒडल हॊय्यदिरू श्रीनिवास
ना बडव काणॆलू श्रीनिवास निन्न ऒडल हूक्केनू श्रीनिवास||2 ||

पंजु पिडिवेनू श्रीनिवास निन्न ऍंजल बळिदुंबॆ श्रीनिवास
ना संजॆ उदयके श्रीनिवास काळंजिय पिडिवॆ श्रीनिवास ||3||

सत्तिगॆ चामर श्रीनिवास ना नॆत्ति कुणिवेनू श्रीनिवास
निन्न रत्नद हाविगॆ श्रीनिवास ना हॊत्तु नलिवेनू श्रीनिवास ||4||

हेळिदंतालिहॆ श्रीनिवास निन्नाळिगाळागिहॆ श्रीनिवास
अवरूळिगव माळ्पॆ श्रीनिवास ऎन्नपालिसॊ बिडदे श्रीनिवास ||5||

निन्न नाम होळिगॆ श्रीनिवास कळ्ळ कुन्नि नानागिहॆ श्रीनिवास
कट्टि निन्नवरोद्दरॆ श्रीनिवास ननगिन्नू लज्जॆतकॆ श्रीनिवास ||6||

बीसि कॊल्ललवरॆ श्रीनिवास मुद्रे कासि चुच्चुलवरॆ श्रीनिवास
मिक्क घासिगंजेनय्य श्रीनिवास एंजलासे बंट ना श्रीनिवास ||7||

हेसि नानादरॆ श्रीनिवास हरिदासरूळु पॊक्कॆ श्रीनिवास
अवर भाषेय केळिहॆ श्रीनिवास आ वासिय सैरिसू श्रीनिवास ||8||

तिंगळवनल्ल श्रीनिवास वत्सरंगळवनल्ल श्रीनिवास
राजंगळ सवडिपॆ श्रीनिवास भवंगळ दाटुवॆ श्रीनिवास ||9||

निन्नव निन्नव श्रीनिवास नानन्यवनरियेनो श्रीनिवास
अय्य मन्निसू तायितंदे श्रीनिवास प्रसन्न वेंकटाद्रि श्रीनिवास ||10||

18. श्रीनिवासा गोविंदा श्री वेंकटेशा गोविंदा

श्रीनिवासा गोविंदा श्री वेंकटेशा गोविंदा
भक्तवत्सला गोविंदा भागवतप्रिय गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 1 ॥

नित्यनिर्मला गोविंदा नीलमेघश्याम गोविंदा
पुराणपुरुषा गोविंदा पुंडरीकाक्ष गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 2 ॥

नंदनंदना गोविंदा नवनीतचोरा गोविंदा
पशुपालक श्री गोविंदा पापविमोचन गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 3 ॥

दुष्टसंहार गोविंदा दुरितनिवारण गोविंदा
शिष्टपरिपालक गोविंदा कष्टनिवारण गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 4 ॥

वज्रमकुटधर गोविंदा वराहमूर्तिवि गोविंदा
गोपीजनप्रिय गोविंदा गोवर्धनोद्धार गोविंदा [गोपीजनलोल]
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 5 ॥

दशरथनंदन गोविंदा दशमुखमर्दन गोविंदा
पक्षिवाहना गोविंदा पांडवप्रिय गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 6 ॥

मत्स्यकूर्म गोविंदा मधुसूधन हरि गोविंदा
वराह नरसिंह गोविंदा वामन भृगुराम गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 7 ॥

बलरामानुज गोविंदा बौद्ध कल्किधर गोविंदा
वेणुगानप्रिय गोविंदा वेंकटरमणा गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 8 ॥

सीतानायक गोविंदा श्रितपरिपालक गोविंदा
श्रितजनपोषक गोविंदा धर्मसंस्थापक गोविंदा [दरिद्रजन पोषक]
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] ॥ 9 ॥

अनाथरक्षक गोविंदा आपद्भांदव गोविंदा
भक्तवत्सला गोविंदा करुणासागर गोविंदा [शरणागतवत्सल]
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |10|

कमलदळाक्ष गोविंदा कामितफलदात गोविंदा
पापविनाशक गोविंदा पाहि मुरारे गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |11|

श्री मुद्रांकित गोविंदा श्री वत्सांकित गोविंदा
धरणीनायक गोविंदा दिनकरतेजा गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |12|

पद्मावतीप्रिय गोविंदा प्रसन्नमूर्ती गोविंदा
अभयहस्त गोविंदा मत्स्यावतार गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |13|

शंखचक्रधर गोविंदा शार्ङ्गदाधर गोविंदा
विराजातीर्धस्थ गोविंदा विरोधिमर्धन गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |14|

सालिग्रामधर गोविंदा सहस्रनामा गोविंदा
लक्ष्मीवल्लभ गोविंदा लक्ष्मणाग्रज गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |15|

कस्तूरितिलक गोविंदा कनकांबरधर गोविंदा
गरुडवाहना गोविंदा गजराज रक्षक गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |16|

वानरसेवित गोविंदा वारधिबंधन गोविंदा
एकस्वरूप गोविंदा रामकृष्णा गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |17|

भक्तनंदन गोविंदा प्रत्यक्षदेवा गोविंदा
परमदयाकर गोविंदा वज्रकवचधर गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |18|

वैजयंतिमाल गोविंदा वड्डिकासुल गोविंदा
वसुदेवसुत गोविंदा श्रीवासुदेव गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |19|

नित्यकळ्याण गोविंदा नीरजनाभ गोविंदा
नीलाद्रिवास गोविंदा नीलमेघश्याम गोविंदा [क्षीराब्धिवास]
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |20|

स्वयं प्रकाश गोविंदा आनंदनिलय गोविंदा
श्रीदेविनाथ गोविंदा देवकि नंदन गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |21|

तिरुमलवास गोविंदा रत्नकिरीट गोविंदा
आश्रितपक्ष गोविंदा नित्यशुभप्रद गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |22|

आनंदरूप गोविंदा आद्यंतरहित गोविंदा
इहपर दायक गोविंदा इभराज रक्षक गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |23|

पद्मदलाक्ष गोविंदा तिरुमलनिल्य गोविंदा
शेषशायिनी गोविंदा शेषाद्रिनिलय गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |24|

वराह ऋृप गोविंदा श्री कूर्मरूप गोविंदा
वामनऋृप गोविंदा नरहरिरूप गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |25|

श्री परशुराम गोविंदा श्री बलराम गोविंदा
रघुकुल राम गोविंदा श्री रामकृष्ण गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |26|

तिरुमलनायक गोविंदा श्रितजनपोषक गोविंदा
श्रीदेविनाथ गोविंदा श्रीवत्सांकित गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |27|

गोविंदानाम गोविंदा वेंकटरमणा गोविंदा
क्षेत्रपालक गोविंदा तिरुमलनाथ गोविंदा ।
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |28|

वानरसेवित गोविंदा वारधिबंधन गोविंदा
एडुकोंडलवाड गोविंदा एकत्वरूपा गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |29|

श्री रामकृष्ण गोविंदा रघुकुल नंदन गोविंदा
प्रत्यक्षदेवा गोविंदा परमदयाकर गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |30|

वज्रकवचधर गोविंदा वैजयंतिमाल गोविंदा
वड्डिकासुलवाड गोविंदा वसुदेवतनया गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |31|

बिल्वपत्रार्चित गोविंदा भिक्षुक संस्तुत गोविंदा
स्त्रीपुंसरूपा गोविंदा शिवकेशवमूर्ति गोविंदा
ब्रह्मांडरूपा गोविंदा भक्तरक्षक गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |32|

नित्यकळ्याण गोविंदा नीरजनाभ गोविंदा
हातीरामप्रिय गोविंदा हरि सर्वोत्तम गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |33|

जनार्धनमूर्ति गोविंदा जगत्साक्षिरूपा गोविंदा
अभिषेकप्रिय गोविंदा आपन्निवारण गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |34|

रत्नकिरीटा गोविंदा रामानुजनुत गोविंदा
स्वयंप्रकाशा गोविंदा आश्रितपक्ष गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |35|

नित्यशुभप्रद गोविंदा निखिललोकेशा गोविंदा
आनंदरूपा गोविंदा आद्यंतरहिता गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |36|

इहपर दायक गोविंदा इभराज रक्षक गोविंदा
परमदयाळो गोविंदा पद्मनाभहरि गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |37|

तिरुमलवासा गोविंदा तुलसीवनमाल गोविंदा
शेषाद्रिनिलया गोविंदा शेषसायिनी गोविंदा
श्री श्रीनिवासा गोविंदा श्री वेंकटेशा गोविंदा
गोविंदा हरि गोविंदा गोकुलनंदन गोविंदा [वेंकटरमण गोविंदा] |38|

19. जै जै राम हरे जै जै कृष्ण हरे

जै जै राम हरे जै जै कृष्ण हरे
कौसल्यज वर वंशोद्भव सुर संसेवित पद राम हरे
कंसाद्यसुरर ध्वंसगैद यदुवंशोद्भव कृष्ण हरे

मुनिमखरक्षक धनुजर शिक्षक फणिधर सन्नुत राम हरे
घनवर्णांग सुमनसरॊडॆय वनजासन पित कृष्ण हरे

शिलॆय पादरजदलि स्त्री माडिद सुललित गुणनिधि राम हरे
बलु वक्रागिद्द अबलॆय क्षणदलि चॆलुवॆय माडिद कृष्ण हरे

हर धनु भंगिसि हरुषदि जानकि करव पिडिद राम हरे
सिरि रुक्मिणियनु त्वरदलि वरिसिद शरणर पालक कृष्ण हरे

जनक पेळे लक्ष्मण सीता सह वनकॆ तॆरळिद राम हरे
वनकॆ पोगि तन्नणुगरॊडनॆ गोवनु पालिप श्री कृष्ण हरे

ताटकि खरमधुकैटभादि पापाटवि सुरमुख राम हरे
आटदि फणि म्याल् नाट्यवनाडिद खेटवाहन कृष्ण हरे

चदुरॆ शबरियित्त बदरिय फलवनु मुददि सेविसिद राम हरे
विदुरन क्षीरकॆ ऒदगिहोद पदुमनाभ जय कृष्ण हरे

सेवित हनुम सुग्रीवन सख जगत्वावन परतर राम हरे
देवकि वसुदेवर सॆरॆ बिडिसिद देव देव कृष्ण हरे

गिरिगळिंद वर शरधि बंधिसिद परम समर्थ राम हरे
गिरिय तन्न किरि बॆरळलॆत्ति गोवरन काय्द कृष्ण हरे

खंडिसि दशशिर चॆंडाडिद कोदंडपाणि राम हरे
पांडु तनयरिंद चंड कौरवर दिंडु कॆडविसिद कृष्ण हरे

तवकदि अयोध्यापुरकैदिद तन्न युवतियॊडनॆ रामहरे
रविसुततनयगॆ पट्टव कट्टिद भवतारक श्री कृष्ण हरे

भरतनु प्रार्थिसलरसत्वव स्वीकरिसिद त्वरदलि राम हरे
वरधर्माद्यर धरॆयोळु मॆरॆसिद परम कृपाकर कृष्ण हरे

धरॆयोळगज्ञजनरनु मोहिपुदकॆ हरन पूजिसिद राम हरे
हरन प्रार्थिसि वरवनु पडॆद चरितॆ अगाधवु कृष्ण हरे

अतुळ महिम सद् यतिगळ हृदयदि सतत विराजिप राम हरे
सितवाहन सारथियॆनिसिद सुरतति पूजित पद कृष्ण हरे

रामराम ऎंदु नेमदि भजिपर कामितफलद राम हरे
प्रेमदि भक्तर पालिप श्री वरदेश विठल कृष्ण हरे

20. नंदेनदो स्वामि निंदे इदॆल्लवू

नंदेनदो स्वामि निंदे इदॆल्लवू
नंदनंदन मुकुंद गोविंद ||प||

हिंदेसु जनुमवू हेगादरागलि
मुंदेन्न कायो हरे श्रीकृष्ण || अ। प||

जनन मरण निंदे, जन्मसाधन निंदे
अनुकूलादरवु निन्नदय्या
तनुमनवू निंदे, काय दॊरेवुदू निंदे
चिनुमयरूपने अनुमानव्यातकॆ ||1||

कायकष्टवु निंदे, देहद बल निंदे
न्याय अन्यायवू निन्नदय्या
बायिमातु निंदे, बरुव भाग्य निंदे
कायज पित निन्न माया तिळियदय्या ||2||

यात्रॆ तीर्थवु निंदे, क्षेत्रद फल निंदे
सत्पात्र दान नेम निंदे
धात्रियॊळ् परिपूर्ण क्षेत्र वॆंकट विठल
स्तोत्र माल्पुदु विचित्र निन्नदय्या ||3||

21. सिंहरूपनाद श्री हरि हे नामगिरीशने

सिंहरूपनाद श्री हरि हे नामगिरीशने ||प||

ऒम्मनदिंद निम्मनु भजिसलु
सम्मतदिंदलि काय्वेनेंद हरि ||अ।प||

तरळनु करॆयॆ स्थंभवु बिरिये
तुंबा उग्रवनु तोरिदनु
करुळनु बगॆदु तन् कॊरळॊळगिट्टु
तरळन सलहिद श्री नरसिंहनॆ ||१||

भक्तरॆल्ल कूडि बहु दूर ओडि
परम शांतवनु बेडिदरु
करॆतंदु सिरिय तॊडॆयॊळु कुळिसलु
परम हरुषवनु पॊंदिद श्री हरि ||२||

जय जय जयवॆंदु हूवनु तंदु
हरि हरि हरियॆंदु सुररॆल्ल सुरिसॆ
भय निवारण भाग्य स्वरूपने
परम पुरुश श्री पुरंदर विट्ठलनॆ ||३||

22. स्त्रीयरेल्लरु बन्निरे । श्रीनिवासन पाडिरे

स्त्रीयरेल्लरु बन्निरे । श्रीनिवासन पाडिरे

ज्ञानगुरुगळिगॊंदिसि । मुंदे कथेय पेळुवे ||

गंगा तीरदि ऋषिगळु । अंदु यागव माडुरु
बंदु नारद निंतुकॊंडु । यारिगॆंदु केळलु
अरितु बरबेकु ऎंदु । आ मुनियु तॆरळिद-भृगुमुनीयु तॆरळिद
नंदगोपन मगन कंदन । मंदिरकागॆ बंदनु

वेदगळने ओदुता । हरियनू कॊंडाडुता
इरुव बॊम्मन नोडिद । कैलासक्के बंदनु
शंभुकंठनु पार्वतीयू । कलॆतिरुवुद कंडनु
सृष्टियॊळगॆ निन्न लिंग । श्रेष्ठवागलॆंदनु

वैकुंठक्के बंदनु । वारिजाक्षन कंडनु
केट्ट कोपदिंद ओद्दरे । ऎष्टु नॊंदितॆंदनु
तट्टने बिसिनीरिनिंद । नॆट्टगॆ पाद तॊळॆदनु
बंद कार्य आयितॆंदु । अंदु मुनियु तॆरळिद

बंदु निंदु सभेयॊळगॆ । इंदिरेशन हॊगळिद
पतिय कूडॆ कलह माडि । कॊल्हापुरके होदळु
सतियु पोगॆ पतियु हॊरटु । गिरिगॆ बंदु सेरिद
हुत्तदल्ले हत्तु साविर वरुष । गुप्तवागि इद्दनु

ब्रह्म धेनुवादनु । रुद्र वत्सनादनु
धेनु मुंदे माडिकॊंडु । गोपि हिंदे बंदळु
कोटि हॊन्नु बाळुवोदु । कॊडद हालु करॆवुदु
प्रीतियिंदलि तन्न मनेगॆ । तंदुकॊंडनु चोळनु

ऒंदु दिवस कंदगॆ हालु । चॆंददिंदलि कॊडलिल्ल
अंदु रायन मडदि कोपिसि । बंदु गोपन हॊडॆदळु
धेनु मुंदे माडिकॊंडु । गोप हिंदे नडॆदनु
कामधेनु करॆद हालु । हरिय शिरके बिद्दितु

इष्टु कष्ट बंदितेंदु । पॆट्टु बडियॆ होदनु
कृष्ण तन्न मनदल्योचिसि । कॊट्ट तन्न शिरवनु
एळु ताळेमरद उद्द । एकवागि हरियितु
रक्तवन्नु नोडि गोप । मत्ते स्वर्गक्केरिद

कष्टवन्नु नोडि गोवु । अष्टु बंद्-हेळितु
तट्टनॆ राय ऎद्दु गिरिगॆ । बंदु बेग सेरिद
एनु कष्ट इल्लि हीगॆ । याव पापि माडिद
इष्टु कष्ट कॊट्टवागॆ । भ्रष्टपिशाचियागॆंद

पॆट्टु वेदनॆ ताळलारदॆ । बृहस्पतीय करेसिद
अरुण उदयदल्लॆद्दु । औषधक्कॆ पोदनु
क्रोडरूपिय कंडनु । कूडि मातनाडिदनु
इरुवुदक्कॆ स्थळवु ऎनगॆ । एर्पाडागबेकेंद

नूरु पाद भूमि कॊट्टरॆ । मॊदलु पूजॆ निमगेंद
पाक पक्व माडुवुदक्कॆ । आकॆ बकुळॆ बंदळु
भानुकोटितेजनीग । बेटॆयाड हॊरटनु
मंडॆ बाचि दॊंडॆ हाकि । दुंडुमल्लिगॆ मुडिदनु

हार पदक कॊरळल्हाकि । फणॆगॆ तिलकविट्टनु
अंगुलिगॆ उंगुर । रंगश्वंगारवादवु
पट्टेनुट्टु कच्चॆ कट्टि । पीतांबरव हॊद्दनु
ढाळु कत्ति उडियल् सिक्कि । जोडु कालल्लि मॆट्टिद

करदि वीळ्यवन्नॆ पिडिदु । कन्नडिय नोडिद
कनकभूषणवाद तॊडिगॆ । कमलनाभ तॊट्टनु
कनकभूषणवाद कुदुरॆ । कमलनाभ एरिद
करिय हिंदॆ हरियु बरलु । कांतेरेल्ल कंडरु

यारु इल्लि बरुवरॆंदु । दूर पोगिरेंदरु
नारियरिरुव स्थळकॆ । याव पुरुष बरुवनु
ऎष्टु हेळॆ केळ कृष्ण । कुदुरॆ मुंदॆ बिट्टनु

अष्टु मंदीरॆल्ल सेरि । पॆट्टुगळनु हॊडॆदरु

कल्लुमळॆय करॆदराग । कुदुरॆ कॆळगॆ बिद्दितु
केश बिच्चि वासुदेव । शेषगिरिगॆ बंदनु
परमान्न माडिद्देनॆ । उण्णु बेग ऎंदळु
अम्म ऎनगॆ अन्न बेड । ऎन्न मगनॆ वैरिये

कण्णिल्लाद दैव अवळ । निर्माणव माडिद
याव देश यावोळाकॆ । ऎनगॆ पेळु ऎंदळु
नारायणन पुरकॆ पोगि । रामकृष्णर पूजिसि
कुंजमणिय कॊरळल्हाकि । कूसिन् कॊंकळलॆत्तिदा

धरणिदेविगॆ कणिय हेळि । गिरिगॆ बंदु सेरिद
कांतॆरॆल्ल कूडिकॊंडु । आग बकुळॆ बंदळु
बन्निरेम्म सदनकॆनुत । बहळ मातनाडिदरु
तंदेतायि बंधुबळग । हॊन्नु हण उंटॆंदरु

इष्टु परियल्लिद्दवगॆ । कन्यॆ याकॆ दॊरॆकलिल्ल
दॊड्डुवळिगॆ मक्कळिल्ल । मत्तॆ मदुवॆ माड्वॆवु
बृहस्पतीय करॆसिद । लग्नपत्रिकॆ बरॆसिद (कळुहिद)
शुकाचार्यर करॆसिद |मदुवॆ ओलॆ बरॆसिद

वल्लभॆय करॆवुदक्कॆ । कॊल्हापुरकॆ पोदरु
गरुडन् हॆगलनेरिकॊंडु । बेग हॊरटुबंदरु
अष्टवर्गवन्नु माडि । इष्टदेवर पूजिसि
लक्ष्मीसहित आकाशराजन । पट्टणक्कॆ बंदरु

कनकभूषणवाद तॊडिगॆ । कमलनाथ तॊट्टनु
कनकभूषणवाद मंटप । कमलनाभ एरिद
कमलनाभगॆ कांतॆमणिय । कन्यदानव माडिद
कमलनाभ कांते कैगॆ । कंकणवन्नॆ कट्टिद

श्रीनिवास पद्मावतिगॆ । मांगल्यवकट्टिद
श्रीनिवासन मदुवॆ नोडॆ । स्टीयरॆल्लरु बन्निरे

पद्मावतिय मदुवे नोडॆ । मुद्दु बालॆयर् बन्निरे
शंकॆयिल्लदॆ हणव सुरिदु । वॆंकटेशन कळुहिद

लक्ष तप्पु ऎन्नलुंटु । पक्षिवाहन सलहॆन्न
कोटि तप्पु ऎन्नलुंटु कुसुमनाभ सलहॆन्न
शंकॆयिल्लदॆ वरव कॊडुव वॆंकटेश सलहॆन्न
भक्तियिंदलि हेळ्कॆळ्दवरिगॆ । मुक्ति कॊडुव हयवदन

जय जय श्रीनिवासनिगॆ । जय जय पद्मावतिगॆ
ऒलिदंतह श्रीहरिगॆ । नित्य शुभमंगळ
शेषाद्रिगिरिवास । श्रीदेवि अरसगॆ
कल्याणमूरुतिगॆ । नित्यजयमंगळ

23. श्रीवेंकटेश स्तवराज

श्रीरमण सर्वेश सर्वग सारभोक्त स्वतंत्र सर्वद
पारमहिमोद्धार सद्गुण पूर्ण गंभीर
सारिदवरघ दूरगैसि सूरिजनरिगॆ सौख्य नीडुव
धीरवेंकटरमण करुणदि पॊरेयो नी ऎन्न
धीरवेंकटरमण करुणदि पॊरेयो नी ऎन्न || १ ||

घन्नमहिमा पन्न पालक निन्न हॊर तिन्नन्य देवर
मन्नदलि ना नेनेसॆ नॆंदिगु बन्न बडिसदिरु
एन्न पालक नीनॆ इरुतिरॆ इन्नु भव भयवेकॆ ऎनगॆ
चन्न वेंकटरमण करुणदि पॊरेयो नी ऎन्न
चन्न वेंकटरमण करुणदि पॊरेयो नी ऎन्न || २ ||

लकुमि बॊम्म भवामरेशरु भकुति पूर्वक निन्न भजिसि
सकल लोककॆ नाथरॆनिपरु सर्व कालदलि
निखिळ जीवर पोरेव देवनॆ भकुति नी यॆनगीय दिरलु
व्यकुतवाग्यपकीर्तिबप्पुदू श्रीनिकेतननॆ
व्यकुतवाग्यपकीर्तिबप्पुदू श्रीनिकेतननॆ || ३ ||

याकॆ पुट्टदु करुण ऎन्नॊळु साकलारॆय निन्न शरणन
नूकिबिट्टरॆ निनगॆ लोकदि ख्याति बप्पुवुदे
नोकनीयनॆ नीनॆ ऎन्ननु जोकेयिंदलि कायो बिडदॆ
एकदेवनु नीनॆ वेंकट शेषगिरिवास
एकदेवनु नीनॆ वेंकट शेषगिरिवास || ४ ||

अंबुजांबक निन्न पदयुग नंबिकोंडी परियलिरुतिरॆ
डोंबेगारन तेरदि नी निर्भाग्य स्थिति तोरे
बिंब मूरुति निन्न करगत कंबुवरवे गतियो विश्वकुटुंबि
ऎन्ननु सलहो संतत शेषगिरिवास
विश्वकुटुंबि ऎन्ननु सलहो संतत शेषगिरिवास || ५ ||

सारसिरि वैकुंठ त्यजिसि धारुणियॊळु गॊल्लनागि
चोर कर्मव माडि बदुकिह दारिगरि किल्ल
सारि पेळुवॆ निन्न गुणगळ पारवागिरुतिहॊ जनरिगॆ
धीर वेंकटरमण करुणदि पॊरेयॊ नी येन्न

धीर वेंकटरमण करुणदि पॊरॆयॊ नी यॆन्न || ६ ||

नीर मुळुगि भारपॊत्तु धारुणीतळवगॆदु सिट्टिलि
क्रूरनुदरव सीळि करुळिन मालॆ धरिसिदरु
पोर विप्र कुठारि वनवन जारि गोप दिगंबराश्ववॆ
एरि पोदरु बिडॆनो वेंकट शेषगिरिवास
अश्ववॆ एरि पोदरु बिडॆनो वेंकट शेषगिरिवास || ७ ||

लक्ष्मिनायक सार्व भौमनॆ पक्षिवाहन परम पुरुषनॆ
मोक्षदायक प्राण जनकनॆ विस्व व्यापकनॆ
अक्षयांबरवित्तु विजयन पक्षपातव माडिकुरुगळ
लक्ष्यमाडॆदॆ कॊंदॆयॊ श्री शेषगिरिवास
लक्ष्यमाडॆदॆ कॊंदॆयॊ श्री शेषगिरिवास || ८ ||

हिंदॆ नी प्रह्लादगोसुग ऎंदु नोडद रूप धरिसि
बंदु दैत्यन ऒडल बगॆदु पॊरॆदॆ बालकन
तंदॆताग्गळ बिट्टु विपिनदि निंदु तपिसुव पंचवत्सर
कंदना ध्रुव गॊलिदु पॊरॆदॆयॊ शेषगिरिवास
कंदना ध्रुव गॊलिदु पॊरॆदॆयॊ शेषगिरिवास || ९ ||

मडुविनॊळगिह मकरि कालनु पिडिदु बाधिसॆ करियु त्रिजग
द्वडॆय पालिसॊ ऎनलु तक्षण बंदु पालिसिदॆ
मडदि मातनु केळि बलु परि भडव ब्राह्मण धान्य कोडलु
पोडविगसदळ भाग्यनीडिदॆ शेषगिरिवास
पोडविगसदळ भाग्यनीडिदॆ शेषगिरिवास || १० ||

पिंतुमाडिद महिमॆगळ नानॆंतु वर्णिसलेनु फल श्री
कांत ऎन्ननु पॊरॆयॆ कीरुति निनगॆ फलवॆनगॆ
कंतुजनकनॆ ऎन्न मनसिन अंतरंगदि नीनॆ सर्वद
निंतु प्रेरणॆ माळ्पॆ सर्वद शेषगिरिवास
निंतु प्रेरणॆ माळ्पॆ सर्वद शेषगिरिवास || ११ ||

जय जयतु शठ कूर्म रूपनॆ जय जयतु किटि सिंह वामन
जय जयतु भृगुराम रघुकुलसोम श्रीराम
जय जयतु शिरि यदुवरेण्यनॆ जय जयतु जनमोह बुद्धनॆ

जय जयतु कलिकल्मषघ्ननॆ कल्किनामकनॆ
जय जयतु कलिकल्मषघ्ननॆ कल्किनामकनॆ || १८ ||

करुण सागर नीनॆ निजपद शरणवत्सल नीनॆ शाश्वत
शरणजन मंदार कमलाकांत जयवंत
निरुत निन्ननु नुतिसि पाडुवॆ वरद गुरुजगन्नाथविठ्ठल
परम प्रेमदि पॊरॆयॊ ऎन्ननु शेषगिरिवास
परम प्रेमदि पॊरॆयॊ ऎन्ननु शेषगिरिवास || १९ ||

24. निन्न ऒलुमॆयिंद निखिळ जनरु बंदु मन्निसुवरॊ महराय

निन्न ऒलुमॆयिंद निखिळ जनरु बंदु मन्निसुवरॊ महराय
ऎन्न पुण्यगळिंद ई परि उंटेनो निन्नदे सकल संपत्तु ||पल्लवि||

जीर्ण मलिन वस्त्र काणद मनुजगॆ पूर्ण विचित्र सुवसन
वर्णवर्णदिंद बाहोदेनॊ संपूर्ण गुणार्णव देवा
संजीतनक इद्दु सण्ण सवटु तुंब गंजि काणदॆ बळलिदॆनॊ
व्यंजन नाना सुभक्ष्य भोज्यंगळ भुंजिसुवदु मत्तेनो ||1||

ऒब्ब हॆंगसिगॆ अन्न हाकुवदक्कॆ तब्बिब्बुगॊंडॆ ना हिंदॆ
निब्बरदलि सर्वर कूडिन्नु हब्बवनुंडॆनॊ हरियॆ
मनॆमनॆ तिरुगिदॆ कासु पुट्टदॆ सुम्मनॆ चाल्वरिदु बळलिदेनो
हण हॊन्नु द्रव्य ऒम्मिंदॊम्मॆ ईग ऎनगॆ प्रापुति नोडो जीय ||2||

मध्याह्न कालक्कॆ अतिथिगळिगॆ अन्न मॊद्दॆनॆंदरॆ ईयदादॆ
ई धरॆयॊळु सत्पात्ररिगुणिसुव पद्धति नोडॊ धर्मात्म
नीचोच्छ तिळियदॆ सर्वर चरणकॆ चाचिदॆ नॊसलु हस्तगळ
योचिसि नोडलु सोजिगवागिदॆ वाचकॆ निलुकदॊ हरियॆ ||3||

वैदिक पदविय कॊडुवनिगॆ लौकिकनैदिसुवुदु महाख्याति
मैदुनगॊलिद श्री विजयविठल निन्न पाद साक्षियॆ अनुभववॊ ||4||

25. निन्न दरुशनके बंदवनल्लवो

निन्न दरुशनके बंदवनल्लवो
पुण्यवंतर दिव्य चरण नोडलु बंदे ||प||

ऎल्लि नोडलु नीने व्याप्तनागिरलिक्के
इल्लिगॆ बाह कारणवावुदो
सॊल्लिगॆ कoभदोळु तोरिद महामहिम
अल्लि इल्लेनय्य बल्ल भकुत जनरिगॆ ||1||

करॆदागलॆ ओडि बंदोदगुव देव
मरळि गावुद ऎणिसि बरल्यातको
नॆरॆनंबिदवरिगावल्लि आदरॆ एनु
अरितवर मनदल्लि निंदाडुवा चंदवा ||2||

ध्यानक्के सिलुकुवने निन्न काणलिबहुदु
ज्ञानिगळु ऎंतु बरुवरो अल्लिगॆ
अनंत जनुमदलि जप तप व्रत होम
एनु माडिदरिष्टु जन कूडुवदो देवा ||3||

नीनिद्द स्थानदलि सर्व पुण्यक्षेत्र
नीनिद्द स्थानदलि सकलतीर्थ
नीनिद्द स्थानदलि समस्त तात्विकरु
नानित्त बरुवुदु निनगॆ तिळियदे स्वामि ||4||

इदने लालिसु जीया निन्नदोंदे मूर्ति
निदरुशनवल्लदे मिगिलावुदो
पदे पदे मध्वमत होंदिद सुजनर
हृदयदलि ओंदोंदु परि निन्न रूपंगळु ||5||

भळिरॆ तिरुमलराय निन्न करुणा रसके
नॆलॆगाणॆ नॆलॆगाणॆ नॆरेहोरॆयलि
ऒलिदु भकुतरिगागि मदुवे हवणिसिकोंडे
सुलभ देवर देव विजय विठल वेंकटा ||6||

26. दासोहं तव दासोहं तव

दासोहं तव दासोहं तव
दासोहं तव दासोहं ||प||

वासुदेव विगताघसंघ तव ||अ। प||

जीवांतर्गत जीव नियामक
जीव विलक्षण जीवनद
जीवाधारक जीवरूप रा-
जीव भवजनक जीवेश्वर तव ||१||

कालांतर्गत कालनियमक
कालातीत त्रिकालज्ञ
काल प्रवर्तक कालनिवर्तक
कालोत्पादक कालमूर्ति तव ||२||

कर्मकर्मकृत कर्मकृतागम
कर्म फलप्रद कर्मजित
कर्मबंध मह कर्मविमोचक
कर्मनिग्रह कर्मसाक्षि तव ||३||

धर्मयूप मह धर्मविवर्धन
धर्मविदॊत्तम धर्मनिधे
धर्मसूक्ष्म मह धर्मसंरक्षक
धर्मसाक्षि यमधर्मपुत्र तव || ४||

मंत्रयंत्र मह मंत्र बीज मह
मंत्र राजगुरु मंत्रधृत
मंत्रमेय मह मंत्रनियामक
मंत्रदेव जगन्नाथ विठल तव ||५||

27. दासनागु विशेषनागु

दासनागु विशेषनागु
एसु कायंगळ कळॆदु ऍंबल्नाल्कु लक्ष
जीवराशियन्नु दाटि बंद ई शरीर
तानल्ल तन्नदल्ल तानल्ल तन्नदल्ल
आसॆ थरवल्ल मुंदॆ बहुदल्ल
दासनागु विशेषनागु दासनागु विशेषनागु

आश-क्लेश- दोषवॆंब अब्धियॊळु मुळुगि यमन
पाशक्कॊळगागदॆ निर्दोषियागु संतोषियागु
काशिवारणासि कंचि काण- हस्ति रामेश्वर
एसु देस तिरुगिदरॆ बहुदेनो अल्लि होदेनो
दोष नाशि कृष्णॆ गंगॆ गोदावरि भवनाशि
तुंगभद्रॆ यमुनॆ वासदल्लि उपवासदल्लि
मीसलागि मिंदु जप तप होम नेमगळ
एसु बरि माडिदरु फलवेनु? ई छलवेनु?
दासनागु विशेषनागु दासनागु विशेषनागु

अंदिगो इंदिगो ऒम्मॆ सिरिकमलेशनन्नु
ऒंदु बारियारु हिंद नॆनॆयलिल्ल मनदणियलिल्ल
बंदु बंदु भ्रमॆगोंडु मायामोहक्कॆ सिक्कि
नोंदु बॆंदु ऒंदरिंद उळियलिल्ल बंध कळॆयलिल्ल
संदेहव माडदिरु अरिवु ऍंब दीपविट्टु
इंदु कंड्य देहदल्लि पिंडांड हागॆ ब्रह्मांड
इंदु हरिय ध्यानवन्नु माडि विवेकदि
मुकुंदनिंद मुक्ति बेडु कंड्य नी नोडु कंड्य
दासनागु विशेषनागु दासनागु विशेषनागु

नूरु बारि शरणु माडि नीर मुळुगल्याकॆ
पर नारियर नोटकॆ गुरिय माडिदि मन सॆरॆय माडिदि
सुरॆयॊळु सुरॆ तुंबि मेलॆ हूविन हार
गीरु गंध अक्षतॆय धरिसिदंतॆ नी मॆरॆसिदंतॆ
गारुढिय मात बिट्टु नादब्रह्मन पिडिदु
सारि सूरि मुक्तियन्नु शमनदिंद मत्तॆ सुमनदिंद
नारायण अच्युत अनंतादि केशवन
साराम्रितवनुंडु सुखिसो लंड जीववे ऍलो भंड जीववे
दासनागु विशेषनागु दासनागु विशेषनागु

28. कुरु भुंक्ष्व च कर्म निजं नियतं हरिपाद विनम्र धिया सततम्

कुरु भुंक्ष्व च कर्म निजं नियतं हरिपाद विनम्र धिया सततम् |
हरिरेव परो हरिरेवगुरु हरिरेव जगत्पितृ मातृगतिः || १ ||

नततोऽस्त्यपरं जगदीड्य तमं परमात् परतः पुरुषोत्तमतः |
तदलं बहुलोक विचिंतनया प्रणवं कुरु मानसमीश पदे || २ ||

यततोऽपि हरेः पद संस्मरणे सकलं ह्यघमाशु लयं व्रजति |
स्मरतस्तु विमुक्ति पदं परमं स्पुट मेष्यति तत् किम पाक्रियते || ३ ||

शृणु तामल सत्यवचः परमं शपथेरित मुच्छ्रित बाहु युगम् |
नहरेः परमो नहरेः सदृशः परमः सतुसर्व चिदात्मगणात् || ४ ||

यदि नाम परो न भवेत् स हरिः कथमस्य वशे जगदेतदभूत् |
यदि नाम न तस्य वशे सकलं कथमेव तु नित्य सुखं न भवेत् || ५ ||

न च कर्म विमामल कालगुण प्रभृतीशम चित्तनु तद्दि यतः |
चिदचित्तनु सर्वमसौ तु हरिर्यमये दिति वैदिकमस्ति वचः || ६ ||

व्यवहारभिदाऽपि गुरोर्जगतां न तु चित्तगता सहि चोद्यपरम् |
बहवः पुरुषाः पुरुषप्रवरो हरिरित्यवदत् स्वयमेव हरिः || ७ ||
चतुरानन पूर्व विमुक्त गणा हरिमेत्य तु पूर्व वदेव सदा |
नियतोच्चविनीचत यैव निजां स्थितिमापुरिति स्म परं वचनम् || ८ ||

आनंदतीर्थ सन्नाम्ना पूर्ण प्रज्ञाभि धायुजा |
कृतं हर्यष्टकं भक्त्या पठतः प्रीयते हरिः || ९ ||

29. वंदिताशेष वंद्योरु वृंदारकं

वंदिताशेष वंद्योरु वृंदारकं
चंदन चर्चितो दारपीनांसकं |
इंदिर चंचल पांगनीराजितं
मंदरोद्धारि वृत्तोद्भुजाभोगिनं |
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

सृष्टि संहार लीलाविलासाततं
पुष्ट षाड्गुण्य सद्विग्रहोल्लासिनम् |
दुष्ट निष्येष संहारक मोद्यतं
हृष्ट पुष्टानुशिष्ट प्रजासंश्रयं ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

उन्नत प्रार्थिता शेष संसाधकं
सन्नतालौकिका नंदद श्रीपदम् |
भिन्न कर्माशय प्राणिसंप्रेरकं
तन्नकिंनेति विद्वत्सु मिमांसितं||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

विप्रमुख्यैः सदावेदवादोन्मुखैः
सुप्रतापैः क्षीतिशेश्वरैश्चार्चितं |
अप्रतर्क्योरु संविद्गुणं निर्मलं
सप्रकाशाजरानंद रूपंपरं ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

अत्ययो यस्य केनापिनक्वापिहि
प्रत्यतो यद्गुणेषूत्तमानांपरः |
सत्यसंकल्प एको वरोण्यो
वशी मत्यनूनैः सदा वेदवादोदितः ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं

प्रीणयामो वासुदेवं ||

पश्यतां दुःख संतान निर्मूलनं
दृश्यतां दृश्यतामित्य जेशाचि(र्थि)तम् |
नश्यतां दूरगं सर्वदाप्यात्मगं
पश्यतां स्वेच्चया सज्जनेष्वागतं ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

अग्रजं यः ससर्जाजमग्र्याकृतिं
विग्रहोयस्य सर्वेगुणा एव हि |
उग्र आद्योऽपि यस्यात्मजाग्र्यात्मजः
सद्गृहीतः सदायः परंदैवतम् ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

धार्यते येनविश्वं सदाजादिकं
वार्यते शेष दुःखं निजध्यायिनां |
पार्यते सर्वमन्यैर्नयत्पार्यते
कार्यते चाखिलं सर्वभूतैः सदा ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

सर्वपापानि यत्संस्मृतेः संक्षय
सर्वदा यांतिभक्त्याविशुद्धात्मनां |
शर्वगुर्वादिगीर्वाण संस्थानदः
कुर्वते कर्म यत्प्रीतयॆ सज्जनाः ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

अक्षयं कर्मयस्मिन् परेस्वर्पितंऽ
प्रक्ष यं यांति दुःखानिःयन्नामत |
अक्षरोयोऽजरः सर्वदैवामृतः
कुक्षिगं यस्य विश्वं सदाजादकम् ||
प्रीणयामो वासुदेवं

देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

नंदितीर्थोरुसन्नामिनो नंदिनः
संदधानाः सदानंददेवे मतिम् |
मंदहासारुणापांग दत्तोन्नतिं
न(वं)दिता शेषदेवादि वृंदं सदा ||
प्रीणयामो वासुदेवं
देवतामंडला खंडमंडनं
प्रीणयामो वासुदेवं ||

30. अवन श्रीपति रप्रति रधि केशादि भवादे

अवन श्रीपति रप्रति रधि केशादि भवादे |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १ ||

सुर वंद्याधिप सद्वर भरिता शेष गुणालवम्
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || २ ||

सकल ध्वांत विनाशक परमानंद सुधाहो |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ३ ||

त्रिजगत्पोत सदार्चित चरणा शापति धातो |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ४ ||

त्रिगुणातीत विधारक परितो देहि सुभक्तिम् |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ५ ||

शरणं कारण भावन भव मे तात सदाऽलम् |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ६ ||

मरण प्राणद पालक जगदीशाव सुभक्तिम् |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ७ ||

तरुणा दित्य सवर्णक चरणाब्जा मल कीर्ते |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ८ ||

सलिलप्रोत्थ सरागक मणि वर्णोच्चन खादे |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ९ ||

खजतूणी निभ पावन वर जंघामित शक्ते |
करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १० ||

इभ हस्तप्रभ शोभन परमोरु स्थर माले |

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || ११ ||
असनोत्फुल्ल सुपुष्पक समवर्णा वरणांते |

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १२ ||
शत मोदोद्भव सुंदर वर पद्मोत्थित नाभे |

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १३ ||
जगदा गूहक पल्लव सम कुक्षे शरणादे |

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १४ ||
जगदंबा मल सुंदर गृहवक्षो वर योगिन् |

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १५ ||
दितिजांत प्रद चक्रदर गदायुग्वर बाहो |

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १६ ||
परमज्ञान महानिधि वदनश्री रमणेंदो |

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १७ ||
निखिलाघौ घ विनाशन पर सौख्य प्रद दृष्टे

करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते || १८ ||
परमानंद सुतीर्थ सुमुनि राजो हरिगाथाम् |

कृतवान् नित्य सुपूर्णक परमानंद पदैषी ||१९||
(करुणा पूर्ण वरप्रद चरितं ज्ञापय मे ते)

31. आनंद मुकुंद अरविंद नयन

आनंद मुकुंद अरविंद नयन |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || १ || 2X

सुंदरि मंदिर गोविंद वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || २ || 2X and go back to आनंद मुकुंद

चंद्र सुरेंद्र सुवंदित वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || ३ || 2X

चंद्रक मंदिर नंदक वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद ||४ || 3x (1X HIGH & 2X LOW) and go back to आनंद मुकुंद

मंदार स्यंदक स्यंदन वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || ५ || 2X

वृंदारक वृंद सुवंदित वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || ६ || 2X

मंदार स्यंदित मंदिर वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || ७ || 3x (1X HIGH & 2X LOW) and go back to आनंद मुकुंद

मंदिर स्यंदन स्यंदक वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || ८ || 2X

इंदिरा नंदक सुंदर वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || ९ || 2X

आनंद चंद्रिका स्यंदन वंदे |
आनंदतीर्थ परानंद वरद || १० || 3x (1X HIGH & 2X LOW) and go back to आनंद मुकुंद
आनंद मुकुंद अरविंद नयन 2 lines 2x and end with 3x आनंदतीर्थ परानंद वरद

32. श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारि हे नाथ् नारायण वासुदेव

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारि हे नाथ् नारायण वासुदेव
इंदु निन्न मुंदे निंतिद्देनॆ ॥॥।नन्न जीववन्ने प्रार्थनॆयागिसु

निन्नॆगिंत इंदु नानु उत्तमनागलि, इंदिगिंत नाळॆ इन्नू श्रेष्ठनागलि
नन्न मातिनिंद यारिगू नोवागदिरलि, नन्न नडतॆयिंद हृदयगळु अरळलि
तिळिदु माडिद तप्पुगळु करगलि, तिळियदे माडिद नोवुगळु क्षमॆयागलि
नन्न नॆरळु कूड शांति तरलि, नन्न बदुकु यारिगादरू बॆळकागलि

हे कृष्णा गोविंद मुकुंद मुरारि

कल्लाद मनसिगॆ करुणॆ तुंबु, अहंकारद कत्तलॆयन्नु दूर माडु
जन्मद अर्थवन्नु तिळियुव बुद्धि कॊडु
बाळुवुदन्नु कलिसु॥॥॥केवल बदुकुवुदल्ल

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारि, हे नाथ नारायण वासुदेव

नीनॆ गति नीने शृति नीने जगदोद्धारि
सर्वे भवंतु सुखिनः - ऎल्लरू सुखवागिरलि
सर्वे संतु निरामय - ऎल्लरू आरोग्यवागिरलि
सर्वे भद्राणि पश्यंतु - वॊळ्ळॆयदन्ने काणलि
मा कश्चित् दुःख भागभवेत् - यारिगू दुःखबारदिरलि

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारि, हे नाथ नारायण वासुदेव

हणवे जीवनद गुरियागदिरलि, मानवीयतॆ नन्न धर्मवागिरलि
ऊटक्कागि मात्र बदुकागदिरलि, उद्देशक्कागि प्रतिदिन उसिराडलि
कॆट्ट अभ्यासगळ बॆसॆ तुंडागलि, सुळ्ळु नंबिकॆगळ मोड कळचलि
सत्यद बेळकिनल्लि नानु नडॆयलि, नन्न दारि इन्नॊब्बरिगॆ दीपवागलि

हे कृष्णा गोविंद मुकुंद मुरारि

नीनॆ उसिरु नीनॆ नंबिकॆ नीनॆ नन्न आधार
सर्वे भवंतु सुखिनः ऎल्लॆडॆ प्रीति हरडलि

सर्वे संतु निरामय - मनदल्लि शांति नॆलॆसलि
सर्वे भद्राणि पश्यंतु - जगवॆल्ल बॆळकागलि
मा कश्चित् दुःख भागभवेत् - यारू ऒंटियागदिरलि

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारि, हे नाथ नारायण वासुदेव

33. प्रातः गद्य (पुरंदर दासरु)

अनंत कोटि ब्रह्मांड नायक, रमा ब्रह्म रुद्रेंद्रादि वंद्य,
भक्त वत्सल भव रोग वैद्य, शरणागत वज्र पंजर,
आपत्-बांधव अनाथ बंधो, अनिमित्त बंधो पतित पावन,
महारोग निवारण, महादुरित निवारण,
महाभय निवारण, महाबंध विमोचन,
भयकृत्भय विनाशन, कृपावारिधि देव देवोत्तम,
देवशिखामणि, कपट नाटक सूत्रधार,
नित्यरोळु नित्य, सत्य संकल्प, मुक्तामुक्त नियामक, मोक्षधर,
सुवैकुंठ पति, वैकुंठ विहारि,
त्रिधाम त्रिगुण वर्जित, जगद्जन्मादि कारण,
जगत्पते जगदत्यंतभिन्न, जगदीश जगदोद्धार,
जगत्स्वामि, जगद्विलक्षण, जगन्नाथ, विश्वकुटुंबि विराट मूर्ति,
हे मंगळांग हे शुभांग, परम मंगळमूर्ति,
कोमलांग, नील मेघ श्याम,
इंदु वदन बहु सुंदर, इंदिरा वंदित चरण,
वृकोदर वंद्य, केशवादि रूप,
अजादि रूप, विश्वादि रूप, आत्मादि रूप, अनिरुद्धादि रूप,
अन्नमयादि रूप, अनेक मंत्र प्रतिपाद्य,
सर्व सार भोक्त, अष्टैश्वर्य प्रदात,
ओंकार शब्दवाच्य, विशिष्ट तारतम्य वाच्य,
अनंतानंत शब्द वाच्य, अणुमहद्रूप,
शंख चक्र पीतांबर धारि, कमलाक्ष कमलनाभ,
वैजयंति वनमाला शोभित, कौस्तुभ भूषित,
सुवर्ण वर्ण, नवरत्न कुंडलधारि,
कस्तूरि श्रीगंधलेपन, गरुडारूढ शोभित,
कामधेनु, श्रीवत्सलांछन, कल्पवृक्ष, चिंतामणि,
क्षीराब्धि शायि, शेष शायि, वटपत्र शायि, खग वाहन,
देश काल गुणातीत, अनंत ब्रह्म अनंत शक्ति,
अनंत मूर्ति अनंत कीर्ति, पुराण पुरुषोत्तम,
अक्रूर वरद अंबरीश वरद, नारद वरद प्रह्लाद वरद,
गजेंद्र वरद मुचुकुंद वरद, ध्रुव वरद विभीषण वरद,
कुलाल भीम संरक्षक, पुंडलीक वरद पराशर वरद,
पार्थ सारथि पाप विदूर, अरिजन प्रचंड,
चाणोर मल्ल मुष्टिकासुर मर्धन, काळिंदि कुलवन कंठिरव,
मदन गोपाल वेणु गोपाल, वेणु नाद प्रिय,

शोडश सहस्र गोपिका प्रीति विलास, अहल्या शाप विनाशन,
द्रौपदि अभिमान रक्षक, दुष्ट जन मर्धन,
शिष्ट जन परिलालन, मुकुंद मुरारॆ,
कंसारॆ असुरारॆ, दैत्य कुल संहार,
क्षात्र कुलांतक, सोम कासुरांतक,
हिरण्याक्ष हिरण्यकशिपु संहार, रावण कुंभकर्ण मर्धन,
शिशुपाल दंतवक्त्र शिरच्छेदन, रघुकुलोद्भव,
दशरथ कौसल्या नंदन, सिंधुरवरद,
सीतापते श्री रामचंद्र, यदुकुलोत्पन्न,
यदुकुलोद्धारि, यदुकुल तिलक,
यदुकुल श्रेष्ठ, वसुदेव देवकि नंदन,
यशोदकंद, वृंदावन वासि,
गोप कुमार गोकुल द्वारकावासि, गोवर्धनोद्धारि,
कालिय मर्धन, पूतना प्राणपहारि,
शकटासुर मर्धन, पांडव बंधो,
पांडव परिपाल, पांडव प्रिय,
सुधाम सख, रुक्मिणि वल्लभ,
सत्यभामा प्रिय, गोपिजन जार नवनीत चोर,
गोपाल कृष्ण गंगा जनक, प्रयाग माधव,
काशि बिंदु माधव, पंपापति गुलुगुंजि माधव,
रामेश्वर सेतु माधव, बदरि नारायण श्रीरंगनाथ,
वड्डि जगन्नाथ, उडुपि श्री कृष्ण,
मेलुकोटॆय चॆलुवराय, बेलूर चॆन्निगराय,
अहोबल नरसिंह, पांडुरंग विठल,
श्री शैल निवास, अरुणाचल निलय,
वृषभाचल विहारि, अनंत शयन,
दर्भ शयन, कपिल हयग्रीव दत्तात्रेय शिंशुमार धन्वंतरि,
ममस्वामि सर्व स्वामि, जगदंतयामि,
जगदीश प्राणेश द्विज फणिप मृढेश, श्रीरमण भूरमण दुर्गारमण,
श्री लक्ष्मि वॆंकटरमण, भारतिरमण मुख्य प्राणांतर्गत,
सीतापते श्री रामचंद्र, साक्षात् मन्मथ मन्मथ,
हरिविठल पुंडलीक वरद पांडुरंग विठल, पुरंदर विठल